**Report of the**

**Three days Training on**

**"“Health Management and its Role in Sustainable Fish-Based Integrated Farming System "**

**Under NEH program**

**Organized by:**

**ICAR-CIFE, Mumbai**

**In collaboration with**

**Department of Fisheries, Tripura**

**At Gandacherra, Dhalai District**

**From 17.02.2024-19.02.2024**

A three days training program on “Health Management and its Role in Sustainable Fish-Based Integrated Farming System” under NEH program was conducted from 17/02/2024 to 19/02/2024 at Gandacherra, Dhalai District, ICAR-CIFE Mumbai conducted Tripura in collaboration with Dept. Of Fisheries, Tripura. The training program were conducted under the guidance of Dr. Ravishankar C.N., Director and Vice-Chancellor, Dr. N.P. Sahu, Joint Director, Dr. Megha Kadam Bedekar, Head of the AEHM Division, and Dr. A.K. Verma, Nodal Officer NEH of ICAR-CIFE, Mumbai. Thirty-four farmers from the different parts of Gandacherra have participated in the training program. The Superintendent of Fisheries, Gandacherra, Mr. Madan Tripura, welcomed all the dignitaries and the participants and emphasized the importance of fish health management in fish farming. During the training program, three training manuals, namely two on “Health Management in Fish Based Integrated Farming System” (English and Bengali) and one on “Fish Health Management” in kokborok were released by the Chief Guest Shri. Prem Sadan Tripura, the Block Advisory Council (BAC) Chairman. The chairman has appreciated the effect of ICAR-CIFE, Mumbai, for conducting such a training program at Gandacherra. He also praises the effort of ICAR-CIFE Mumbai for publishing the training manuals in Kokborok and Bengali. Exposure visits to the Integrated Farming System unit developed by ICAR-CIFE, Mumbai, at Ultacherra and Toichakma were also conducted during the training program. After the program, three integrated farming system models, namely integrated duck cum fish (two) and integrated pig cum fish (one), were developed in the selected farmer’s field by supplying inputs such as animals shed, animals, fish, feed, etc. The training programme were coordinated by Dr. Arun Sharma, Dr. T.I. Chanu, Mr. Dhalongsaih Reang, Mr. Ratnadeep Saha, Mr. Madan Tripura. The local newspapers and TV channels covered the training program.

## एन.ई.एच. कार्यक्रम के तहत आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट

**प्रशिक्षण कार्यक्रम :**" स्वास्थ्य प्रबंधन और सतत मछली-आधारित एकीकृत खेती प्रणाली में इसकी भूमिका" "

**आयोजक:** ए.ई.एच.एम. प्रभाग भा.कृ.अनु.प. –सी.आई.एफ.ई., मुंबई और मत्स्य विभाग, त्रिपुरा के सहयोग से।

**स्थान:** गंडाचेरा, धलाई जिला, त्रिपुरा

**दिनांक:** 17.02.2024-19.02.2024 (तीन दिवस)

एन.ई.ए.च कार्यक्रम के तहत "स्वास्थ्य प्रबंधन और सतत मछली-आधारित एकीकृत खेती प्रणाली में इसकी भूमिका" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 17/02/2024 से 19/02/2024 तक गंडाचेरा, धलाई जिला, में भा.कृ.अनु.प.-सी.आई.एफ.ई. मुंबई द्वारा मात्स्यिकी विभाग, त्रिपुरा के सहयोग से आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ. रविशंकर सी.एन., निदेशक और कुलपति, डॉ. एन. पी. साहू, संयुक्त निदेशक, डॉ. मेघा कदम बेडेकर, ए.ई.एच.एम. डिवीजन के प्रमुख और डॉ. ए. के. वर्मा, नोडल अधिकारी एन.ई.एच. के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में गंडाचेरा के विभिन्न हिस्सों के चौंतीस किसानों ने भाग लिया था। गंडाचेरा के मत्स्य पालन अधीक्षक श्री मदन त्रिपुरा ने सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और मछली पालन में मछली स्वास्थ्य प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, तीन प्रशिक्षण मैनुअल, जैसे "मछली आधारित एकीकृत खेती प्रणाली में स्वास्थ्य प्रबंधन" (अंग्रेजी और बंगाली) पर दो और कोकबोरोक में "मछली स्वास्थ्य प्रबंधन" पर एक मुख्य अतिथि श्री प्रेम सदन त्रिपुरा, ब्लॉक सलाहकार परिषद (बी.ए.सी.) के अध्यक्ष द्वारा रिलीज़ किया गया था। अध्यक्ष ने गंडाचेरा में इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन के लिए भा.कृ.अनु.प.-सी.आई.एफ.ई., मुंबई की सराहना की है। उन्होंने कोकबोरोक और बंगाली में प्रशिक्षण नियमावली प्रकाशित करने के लिए भा.कृ.अनु.प.-सी.आई.एफ.ई., मुंबई के प्रयासों की भी प्रशंसा की थी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उल्टाचेरा और टोइचकमा में भा.कृ.अनु.प.-सी.आई.एफ.ई., मुंबई द्वारा विकसित एकीकृत कृषि प्रणाली इकाई के एक्सपोजर दौरे भी आयोजित किए गए थे। कार्यक्रम के बाद, तीन एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल, जैसे एकीकृत बतख सह मछली (दो) और एकीकृत सुअर सह मछली (एक), पशु शेड, जानवरों, मछली,

चारा, आदि जैसे आदानों की आपूर्ति करके चयनित किसान के खेत में विकसित किए गए थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय डॉ. अरुण शर्मा, डॉ. टी. आई. चानू, श्री. धलोंगसैह रियांग, श्री. रत्नदीप साहा, श्री. मदन त्रिपुरा ने किया था। स्थानीय समाचार पत्रों और टीवी चैनलों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को कवर किया था।

<table>
<tr><td> </td><td> </td></tr>
<tr><td> </td><td> </td></tr>
<tr><td> </td><td> </td></tr>
<tr><td>
</td><td>
</td></tr>
</table>